BJS
Bharatiya Jain Sangathan

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

भारतीय जैन संगठन
समाचार

अप्रिल 2015
अंक 4

www.bjsindia.org

महिला शक्ति का उन्मुक्तिकरण

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से 2

- महिला उन्मुक्तिकरण में समाज की भूमिका
- महिला शक्ति – उद्यमीकरण का नया सूर्योदय 3

iBuD कार्यक्रम पर चित्र वृत्तांत 4-5

- बी.जे.एस.: कार्यक्रम एवं गतिविधी समाचार
- नेपाल मे विनाशक भूकंप 6

अल्पसंख्यक समाचार एवं सूचनाएं 7

व्यक्तित्व विकास के ग्रीष्मकालीन शिविर 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से ....

प्रिय स्वजन्,

हमें विश्वास है कि विषय वस्तु आधारित मासिक 'भारतीय जैन संगठन समाचार' आप तक नियमित रूप से पहुँच रहा है. यह अंक महिला शक्ति के उन्मुक्तिकरण विषय पर आधारित है जो भारत ही नहीं सम्पूर्ण विश्व का ध्यान आकर्षित कर रहा है. भिन्न-भिन्न शताब्दियों में भारतीय नारी की स्थितियों में नाटकीय परिवर्तन दृष्टिगोचर होते रहे हैं. वैदिक काल में भारतीय नारी की स्थिति पुरूषों के समकक्ष रही, वहीं मध्ययुग में आये नाट्यात्मक परिवर्तनो के कारण, नारी उत्थान व उनके समान अधिकारों हेतु समाज सुधारकों को आगे आना पड़ा.

वैदिक काल में महिलाएं शिक्षित थीं, जिसका प्रमाण अनेक स्त्री ऋषी एवं मुनियों के धर्मग्रन्थों में उल्लेख से मिलता है, जिनमें मेत्री व गार्गी उल्लेखनीय हैं. किन्तु भारत में नारी जाति की दशा एवं स्थितियां ईसा से 500 वर्ष पूर्व के काल में क्षीण हुई जिसके अनेक कारणो में राजनीतिक उथल पुथल व विदेशी आक्रमण आदि मुख्य रहे. मध्यकाल में बालविवाह का प्रचलन व विधवा विवाह निषेध जैसी अनेक कुरीतियों का जन्म हुआ जो सामाजिक कानूनों के रूप में हमारे जीवन का हिस्सा बन गई. इसी तरह पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों के पीछे विदेशी आक्रमण, देवदासी प्रथा में यौन शोषण आदि कारण रहे और यहीं से नारी स्वतंत्रता, उनकी समानता एवं महत्व आदि विषय क्षीण एवं गौण होते चले गये.

आजादी के पश्चात भारतीय संविधान द्वारा भेदभाव रहित समानता के प्रदत्त अधिकारों से महिला सक्रियतावाद को गति ही नहीं मिली अपितु सदियों के भेदभाव, पक्षपात व अन्यायपूर्ण स्थितियों से बाहर निकल कर अब वे उन्मुक्त वातावरण में श्वासं लेने हेतु प्रयासरत हैं. आज देश की नारियां शिक्षा, खेल जगत, राजनीति, संचार माध्यमों, कला, सेवाकीय क्षेत्रों, विज्ञान एवं तकनीकी और यहां तक कि सेना में भी स्थान बन रही हैं. देश गौरवान्वित है कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं के बल पर विशिष्टताओं का प्रदर्शन कर रही हैं.

गत कुछ दशकों में नारी स्थिति में आये आशास्पद परिवर्तनों के उपरान्त भी अधिकांश भारतीय समाज अनेक समस्याओं से घिरे हैं, अत: महिलाओं के दृष्टिकोण से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. विश्व के प्रगतिशील देशों की महिलाओं की तुलना में भारतीय महिलाओं का जीवन स्तर अत्यन्त ही निम्न है. ग्रामीण महिलाओं हेतु शौच एवं स्वच्छता संबंधी अपर्याप्त व्यवस्थाएं गंभीर समस्या है, जो उनके स्वास्थ व सुरक्षा हेतु खतरे का कारण भी है. महिलाओं के विरूद्ध अपराध, यौन-शौषण, बलात्कार, जबरन वैश्यावृत्ति आदि समस्याएं आज भी विकरालता लिए हुए है. नेशनल क्राईम रिपोर्ट ब्युरो के अनुसार अब भी देश में हर तीन मिनट में एक अपराध महिलाओं के साथ हो रहा है. यह सब देश में नारियों की बंधनयुक्त अवदशाओं तथा पुरूषों में उनको चार दिवारी में ही कैद रखने की मानसिकता को उजागर करती है, जो महिलाओ की उन्मुक्ति व समाज व राष्ट्र निर्माण में उनकी अहम् भूमिका में अवरोध स्वरूप है.

भा.जै.सं. स्थापना के प्रथम दिवस से ही, समाज की विभिन्न समस्याओं के मद्देनज़र, महिला सशक्तिकरण हेतु कार्यरत है. सामुहिक विवाह, वर-वधू परिचय सम्मेलन, युवति सशक्तिकरण, युगल सक्षमीकरण आदि भा.जै.सं. के कुछ ऐसे कार्यक्रम हैं जिन्हें समाज व देश की समस्याओं के समाधान में तथा अच्छे कल के निर्माण हेतु प्रस्तुत किया गया है. भा.जै.सं. का स्पष्ट मत है कि महिला जाति की उन्मुक्ति में हमें उन्हें वैचारिक स्वतंत्रता व उनकी रूचि के कार्य करने का वातावरण प्रदान करना ही होगा. वर्षों से जकड़ी पंरपराओं एवं मान्यताओं की बेड़ियों से हमें महिलाओं को मुक्त कराना होगा, जिसे हेतु भा.जै.सं. के प्रयासों में आप सभी की सहभागिता हेतु आह्वान करता हूँ.

मित्रों, भा.जै.सं. के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व स्वीकार करने के पश्चात आयोजित हुई परिवर्तन यात्रा की सभी सभाओं में मैनें जैन समाज के युवाओं हेतु व्यवसाय विकास के 7 दिवसीय विभिन्न शहरों के प्रवास कार्यक्रम का उल्लेख किया था. मैनें इस बात की चर्चा की थी की जैन युवाओं में बुद्धिमत्ता, क्षमता व पारिवारिक आर्थिक समर्थन की कमी नहीं है किन्तु एक्सपोजर की कमी है. देश दुनियां में क्या चल रहा है, दुनिया किस ओर जा रही है, आनेवाले समय में व्यवसाय का चलन कैसा होगा आदि समझने व जानने की जरूरत है. मुझे हर्ष है कि 12 से 18 अप्रैल 2015 को युवाओं हेतु व्यवसाय विकास कार्यक्रम I-BuD का आयोजन किया गया जिसमें 50 युवाओं ने भाग लिया. इन युवाओं ने उद्योगपतियों व विशेषज्ञों से सफलताओं के मंत्र प्राप्त किये. मुझे विश्वास है कि ये प्रतिभागी युवा निश्चित ही इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं व इनमें से कुछ आनेवाले समय में विशिष्ट सिद्धियों को प्राप्त करेंगे. कार्यक्रम की सफलता के मद्देनजर, हमने वर्ष में 2 बार यह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है तथा अगला कार्यक्रम 28 सितंबर से 3 अक्तुबर, 2015 को आयोजित होगा.

प्रफुल्ल पारख

राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संगठन

संपादक मण्डल

BJS भारतीय जैन संगठन समाचार

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई
सुरेश कोठारी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन, बडनेरा
वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया
संजय सिंघी, रायपुर
राजेंद्र लुंकड़, इरोड

इनसे मिलिये

श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, इन्दौर

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, बी.जे.एस. के प्रारम्भिक काल से ही संस्थापक शांतीलालजी मुथ्था के साथ जुड़कर विविध सामाजिक कार्यों को अंजाम देते आ रहे हैं.

35 वर्ष की उम्र में आप जैन सोश्यल ग्रुप, इन्दौर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए. आपके अध्यक्षकाल में 56 जोड़ों का सामूहिक विवाह, 5,600 युवक-युवतियों हेतु परिचय सम्मेलन, विधवा-विधुर तथा परित्यक्ता परिचय सम्मेलन एवं उनके सामूहिक विवाह आदि सम्पन्न हुए हैं. आपने 'ज़र्नलिज्म एण्ड मॉस कम्युनिकेशन' में ग्रेजुएशन किया तथा 'इन स्पीच कम्युनिकेशन' में डिप्लोमा प्राप्त किया. श्री जैन ने बोलने-सुनने की शिक्षा देने के लिए 100 से अधिक विद्यालयों के लगभग 5000 विद्यार्थियों के लिए 'किशोर वाणी' खेल का दो बार आयोजन किया. रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर इन अल्टरनेटिव मेडिसिन में श्री वीरेन्द्र कुमार जैन 'काऊ यूरिन थैरिपी' के अन्वेषक हैं.

देश-विदेश के असाध्य रोगों के 12 लाख से अधिक मरीजों का गोमूत्र चिकित्सा से सफलतापूर्वक इलाज में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है. अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'गोमूत्र चिकित्सा' पर प्रज़ेंटेशन देकर इस अद्वितीय उपचार पद्धति की प्रशंसा पा चुके श्री जैन को भारत सरकार के पेटेन्ट विभाग ने गोमूत्र से बनी दवाईयों के लिए प्रथम पेटेंट भी प्रदान किया है. आप मुम्बई तथा नाशिक में कैन्सर मरीजों के इलाज हेतु नि:शुल्क सेंटर चला रहे हैं.

आपने देश की 12000 गौशालाओं को स्वावलम्बी बनाने का अभियान प्रारम्भ किया है. विष रहित फसलों के उत्पादन हेतु जैविक खेती करने के तरीकों पर लाखों किसानों को विगत 15 वर्षों मे प्रशिक्षण दिया है. आप जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. जैन सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन-उत्तर क्षेत्र के चेयरमैन रह चुके 60 वर्षीय श्री वीरेन्द्र कुमार जैन स्वर्णिम नेचर साइन्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जैन्स काऊ युरिन थैरिपी हेल्थ क्लीनिक के अध्यक्ष, स्वर्णिम रियल इस्टेट एक्सचेंज (स्वर्णिम रैक्स) के चेयरमैन तथा इंटरनेशनल फाईन आर्ट्स एकेडमी के डायरेक्टर हैं. सामाजिक कार्य हो या व्यवसाय प्रत्येक में टेक्नोलॉज़ी का भरपूर उपयोग करना आपकी विशेषता है. स्वयं के कार्यालय मे कागज़रहित तथा ऑनलाईन कार्य करना आपकी आदत और रूचि दोनो ही है.

महिला उन्मुक्तिकरण में समाज की भूमिका

समय के प्रवाह के साथ साथ बदलती स्थितियों में, कभी पर्दे व घर की चार दीवारी में रहने वाली महिला, अब उन्मुक्ति हेतु लालायित है. ये समय का तकाज़ा है कि महिलाओं के विषय में समाज स्वयं की भूमिका को पुनर्परिभाषित करे अन्यथा प्रगति की दौड़ में हम पिछड़ते चले जाएँगे.

विश्व के अनेक देशों के अधिकांश समाजों में पुरूषों का अधिपत्य है जिनमें भारत भी एक है. किन्तु आधुनिक युग में द्रुत गति से हो रहे परिवर्तनों तथा वैश्विकरण व उसके प्रभावों का हमारे परिवारों में बढ़ते व्याप से युवतियों एवं महिलाओं हेतु समान अवसरों के माहौल का निर्माण हो रहा है. यह भी अविवादित सत्य है कि परिवार एवं समाज की प्रगति में महिलाओं की सदैव से महत्वपूर्ण भूमिका रही है. महिलाएं चाहे किसी भी उम्र की हो, उदाहरणीय सिध्दिया प्राप्त करती रही हैं तथा इतिहास उनकी निर्णायक भूमिकाओं की यश गाथाओं से भरा पड़ा है.

यह अंत्यत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वंतत्रता, उन्मुक्ति, अभिव्यक्ति तथा निर्णय आदि में महिलाओं की सहभागिता की यथार्थताओं को स्वीकार करने में पुरूषप्रधान समाज कुंठाग्रस्त रहा है. यह भी निर्विवादित सत्य है कि महिलाओं को जन्म से लेकर जीवन पर्यन्त विभिन्न चुनौतियों का अविरत सामना करना पड़ता है. आज भी भारतीय समाज विशेषकर ग्रामीण समाजो में अधिकाशंत: युवतियाँ शिक्षा व अभिव्यक्ति स्वंतत्रता से वंचित हैं. देश में अब भी ऐसे समाजों का बाहूल्य है जो स्त्री स्वातंत्र्य को लेकर पुरातन विचारधारों से ग्रसित होने के साथ–साथ महिलाओं के प्रति पक्षपात व अन्याय के पक्षधर रहे हैं.

महिला सशक्तिकरण का अर्थ एवं महत्व भी भिन्न –भिन्न व्यक्तियों के लिये भिन्न –भिन्न हो सकता है क्योंकि यह समाज की स्थितियों एवं पूर्वनिर्धारित मान्यताओं पर निर्भर करता है. किन्तु समाज का उत्तरदायित्व बेटियों को मात्र शिक्षा प्रदान करने तक सीमित न होकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य हेतु सशक्त करना होना चाहिये. बदलते सामाजिक परिवेश में संतुलन की दृष्टि से भी यह नितांत आवश्यक है कि शिक्षा व रोज़गार के समान अवसरों के अतिरिक्त, महिलाओं को प्रबल नियोज़क बनाने हेतु हमें उन्हें सक्षम करना होगा. महिलाओं में विद्यमान नैसर्गिक क्षमताओं को मुखरित व उन्मुक्त करने हेतु उस समाजिक वातावरण का निर्माण होना चाहिए जिसमें उनकी वैचारिक, अभिव्यक्ति व अन्वेषणीय क्षमताओं का विकास संभव हो सके. हमें निष्पक्ष रूप से उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यक्ता है ताकि वे उनके जीवन का उद्देश्य एवं लक्ष्य स्वयं निर्धारित कर सकें. हमें उन्हें जमाने के खतरों से बचाने हेतु उन पर निगाह रखने की जगह समाज मे उनका सुरक्षित स्थान सुनिश्चित करना होगा. पुरूषों के अधिपत्य में रहे उन सभी क्षेत्रों में महिलाओं का स्वागत होना चाहिए ताकि वे उनकी क्षमताओं का योग्य दोहन समाज व राष्ट्र निर्माण में कर सके.

यह समाज का ही उत्तरदायित्व है कि 21वीं शताब्दी में महिलाओं के सम्मुख दस्तक दे रही उन समस्त चुनौतियों का सामना करने हेतु उन्हें सुसज्ज किया जाय, ताकि वे पहले से अधिक आत्मविश्वास के साथ संकल्पित होकर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकें. यह तभी संभव है जब हम महिलाओं के प्रति पारंपरिक पूर्वाग्रहों को त्याग कर उन्हें वस्तुप्रधान्य समझने की मानसिकता में बदलाव लायें. हमें इस विषय में वैचारिक स्तर पर एकजुट होकर कार्यरत होने की आवश्यक्ता है ताकि सभी उम्र की महिलाओं में यह भावना जागृत की जा सके कि बदलते समय की मांग के अनुरूप उन्हें कदम से कदम मिलाकर चलना है क्योंकि उनकी क्षमताओं का उपयोग समाज व राष्ट्र निर्माण में आवश्यक है. महिलाओं के समयोचित विकास व समाज निर्माण में उनकी सहभागिता से ही हमारी भावी पीढ़ी को सशक्त सामाजिक आधार प्रदान किया जा सकता है जिसके वे अधिकारी हैं.

भारतीय जैन संगठन ने वर्षो पूर्व समाज की अवधारणाओं में आ रहे बदलाव, महिलाओं की आवश्यक्ताओं व उनके समक्ष आनेवाली चुनौतियों तथा समाज़ में उनकी बदलती भूमिकाओं का अध्ययन ही नही किया किन्तु इस विषय में उद्भवित होनेवाली समस्याओं के समाधान में युवती सशक्तिकरण (EOG), युगल सशक्तिकरण (EOC), पारिवारिक मार्गदर्शन (Family Counseling) ,व व्यापार विकास कार्यक्रम (Business Development) प्रस्तुत किये हैं जिससे समाज को नई दिशा मिल रही है.

महिला शक्ति – उद्यमीकरण का नया सूर्योदय

आज की महिला व्यवसाय व उद्यम में पैर जमाकर समाज व राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वयं की रचनात्मक भूमिका सुनिश्चित करने को तत्पर है. देश की जनसंख्या में आधा हिस्सा रखने वाली महिला जाति की यथेष्ट क्षमताओं को समझने व उपयोग करने की आवश्यकता है.

द्रुतगति से बदलते इस युग में महिलाओं के लिये प्रगति के नित नये द्वार खुल रहे हैं तथा घर की चार दिवारी में अब उनके बंधे रहने का औचित्य भी समाप्त हो रहा है. उच्च शिक्षा व अवसरों के उपलब्ध नये क्षितिजों के साथ महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार व समाज कल्याण जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट सिद्धियां हासिल कर रही हैं. 'रसोई की रानी' जैसी संज्ञा अब अर्थहीन हो चली है. यही नहीं, समय के साथ बदलती लैंगिक भूमिकाओं के संदर्भ में परिवार के पात्रों हेतु अब तक वर्जित या सीमित कार्यक्षेत्रों के बदल रहे स्वरूप ने पारंपारिक सामाजिक मापदण्डों को हिलाकर रख दिया है. वहीं दूसरी ओर युवतियों एवं महिलाओं को वह सशक्त मंच प्राप्त हो रहा है जहां वे व्यक्तिगत प्रगति के साथ व्यापार एवं व्यवसाय के सफल संचालन के अतिरिक्त उनमें निहित शक्ति का उपयोग उद्यमीकरण के नये सूर्योदय हेतु कर रही हैं.

सेवाकीय क्षेत्र (service Sector) में महिलाएं बहुत पहले से अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं. दुर्भाग्य से महिलाओं की क्षमताओं को गत शताब्दियों से ही कम आंका जाता रहा है किन्तु 21 वीं शताब्दी में लगभग सभी क्षेत्रों में वे उनकी प्रतिभा से दुनिया को अचम्भित कर रही हैं. हाल ही में प्रकाशित विश्व के प्रथम 100 प्रभावी व्यक्तियों की सूची में ICICI Bank की CEO चंदा कोचर को सम्मिलित किया जाना, जैन समाज के लिये तो गर्व का विषय है ही साथ ही इस बात का प्रमाण भी है कि आकाश की उचांइयों की सीमाएं नहीं होती. अब महिलाएं नियोजित तरीकों से स्वयं के उद्यम व व्यवसाय से नये कीर्तिमान स्थापित कर समाज व राष्ट्र को नई दिशा दे रही हैं. समाज भी बदलते सामाजिक समीकरणों में इन महिला उद्यमियों का मात्र स्वागत ही नहीं कर रहा अपितु आर्थिक सामाजिक मामलों में उनकी महत्वपूर्ण व उत्तरदायी भूमिकाओं की यर्थाथताओं को सहजता से स्वीकार भी कर रहा है.

सचमुच ही जमाना बहुत बदल गया है. यह आवश्यक है कि महिलाएं पारंपरिक सोच से हटकर एवं अब तक प्रचलित लैंगिक भूमिकाओं के तहत कार्यक्षेत्रों की परिधि से बाहर निकलें तथा उनमें निहित क्षमताओं एवं शक्तियों के बल पर स्वयं की उपयोगिता सिद्ध करें. यही आज के युग की आवश्यक्ता है, इस वास्तविकता को हमें समझना और स्वीकार करना ही होगा क्योंकि वैश्विकरण की आंधियों में कुल जनसंख्या के उस बड़े भाग को जो बिनउत्पादित हो, भारत जैसे विकासशील राष्ट्र की अर्थव्यवस्था संभवत: सहन नहीं कर पायेगी. हमारे देश में महिलाएं देश की कुल जनसंख्या के अनुपात में लगभग 50 प्रतिशत हैं जिनकी राष्ट्र निर्माण में अक्रिय (Inert) भूमिका आर्थिक प्रगति में अवरोध स्वरूप साबित हो रही है.

भारत की कुछ व्यवसायी महिलाएं जैसे किरण मुजूमदार शॉ (बायकॉन), नीता अंबानी (इंडियन प्रीमियर लीग), ने वर्षो तक उनकी स्वयं की क्षमताओं के उपयोग व संसाधनों के योग्य दोहन से व्यवसाय के नये आयाम तो स्थापित किए ही, साथ ही रोजगार वृद्धि के नये व्यवसाय के ऐसे मॉडल भी स्थापित किये जिसे अन्य सहज रूप से स्वीकार एवं अनुकरण कर सकें. इन महिलाओं ने यह भी प्रमाणित किया कि बॉयोटेक्नोलॉजी व खेलकूद जैसे क्षेत्रों में व्यवसाय की अपार संभावनाएं हैं, जहां लाभ भी संभव है. निसंदेह इन महिलाओं के पास वित्तीय व मानव संसाधन उपलब्ध थे किन्तु उन्होंने स्वंय की व्यावसायिक क्षमताओं से यह सिद्ध किया कि संसाधनों का सही उपयोग चमत्कार कर सकता है.

दूसरी तरफ कुछ व्यवसायी महिलाएं जैसे वंदना लूथरा (Founder VLCC -wellness chain) एवं राशि चौधरी (Co-Founder Of local banya.com) ने यह सिद्ध किया कि वैचारिक शक्ति के बल पर उपलब्ध सीमित संसाधनो की स्थिति मे भी अद्वितीय सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं. आज जो महिलाएं अन्ततः चाहे छोटा या बड़ा सफल व्यवसाय स्थापित करती हैं, वे सामाजिक उद्यमी होने के साथ समाज में अनुकरणीय व सम्मानीय स्थिति की ओर अग्रसर हो रही हैं.

महिलाओं में प्रबंधन योग्यताएं नैसर्गिक रूप से विद्यामान होती हैं तथा वे आपत्तियों का सामना भी बेहतर तरीकों से करती हैं. उनकी इन क्षमताओं के योग्य उपयोग के मद्देनज़र, अब यह आवश्यक होता जा रहा है कि वे आर्थिक उत्तरदायित्व के निर्वहन से आय के अतिरिक्त स्त्रोत खड़े कर उनकी संतानों की बहेतर शिक्षा व योग्य पोषण की व्यवस्थाओं में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें. यह समय की मांग है कि अधिक से अधिक महिलाएं उनमें निहित नैसर्गिक शक्तियों व क्षमताओं को व्यावसायिक दक्षताओं में रूपांतरित कर परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे.

iBuD inaugural session at Pune

Visits

Participants at Trum Towers,Pune

Participants at Narsee Monjee Institute, Mumbai

Participants at IIM, Ahmedabad

Participants at IIM, Bangalore

Jain Irrigation, Jalgaon

Think Tank Design of Polaris Industries, Chennai

Vivek Sawant,
Managing Director & CEO,
Maharashtra Knowledge Corp. Ltd., Pune

Atul Chordia,
Chairman, Panchshil Realty, Pune

Vallabh Bhansali,
Co-founder and Chairman,
ENAM Financial Consultants Ltd., Mumbai

Bhavin Turakhia,
Founding CEO & Director, Directi, Mumbai

Bhavarlal Jain,
Founder & Chairman,
Jain Irrigation Systems Ltd.,Jalgaon

Atul Jain
Joint Managing Director,
Jain Irrigation Systems Ltd., Jalgaon

Prafulla Parakh, Vaibhav Jain, Manish Dafria, Ritu Grover, Jagdish Verma, Vikram Agnihotri at Indore

Ashish Goyal,
Lead Business Development,
NSE, Ahmedabad

Ruzan Khambhata,
IT Entrepreneur, Ahmedabad

iBuD उद्यमीकरण का दीप प्रज्जवलन् 7 दिवसीय प्रवास कार्यक्रम सम्पन्न

देश भर से जैन समाज के चुनिंदा 50 उच्चशिक्षित युवाओं का व्यवसाय विकास कार्यक्रम **i-BuD** 12 अप्रैल से 7 दिन में 7 शहरों पुणे, मुंबई, जलगांव, अहमदाबाद, इन्दौर, बैंगलोर और चेन्नई के प्रवास के साथ 18 अप्रैल को सम्पन्न हुआ. उर्जावान इन प्रतिभागियों को इन शहरों के बड़े औद्योगिक गृहों के मालिकों से मिलने, सुनने, समझने व चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ. इनमें से अधिकांश ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने शुन्य से सर्जन कर समाज व राष्ट्र को नई दिशा दी. कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों जैसे Infrastructure, Real Estate, Technology, Agriculture, Bio-Technology, Medicine तथा Capital Market विषय के विशेषज्ञों से मुलाकात करवायी गई. इन प्रतिभागियों को सफलता के अनेक मंत्र प्राप्त हुए जिनमें बड़ा Vision, व्यवसाय का निश्चित उद्देश्य, काम के प्रति दीवानगी व प्रथम प्रेम ही व्यवसाय हो आदि मुख्य थे. स्वयं के विकास करने के साथ समाज के हित को सदैव स्मरण में रखने के साथ-साथ नया पन, नई सोच, टेक्नोलॉजी का समावेश Investment in People की सलाह दी गई.

नैतिक मूल्यों के साथ व्यापार के महत्व को समझाया गया. IIM अहमदाबाद, इन्दौर व बैंगलोर का भ्रमण व Faculties से बातचीत करना प्रतिभागियों हेतु रोमांचकारी अनुभव रहा. नई कंपनी खड़ी करने, बड़ी पूंजी की व्यवस्था तथा capital market में प्रवेश आदि पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ.

7 दिवसीय प्रवास में सभी 7 शहरों के विशेषज्ञों को सुनने व समझने से उद्भवित प्रशिक्षण पर प्रतिभागियों से प्रतिदिन कुछ exercise भी करवायी गई जिसमें उन्होंने अंत्यंत ही गंभीरता एवं रूचि से भाग लिया क्योंकि यह सिद्धांतों के व्यावहारिक रूपांतरण संबंधी प्रशिक्षण का भाग था. सभी प्रतिभागियों का उत्साह व अनुशासन प्रशंसनीय रहा.

उद्देश्यों की कसौटी पर ये कार्यक्रम खरा ही नही उतरा अपितु युवाओं को बदलते वैश्विक परिवेश, स्पर्धात्मक बाज़ार व तकनीकी के व्यवसाय पर बढ़ते नियंत्रण जैसे मुद्दों पर व्यावहारिक मार्गदर्शन का प्रतिभागियों हेतु यह अनुठा व अंत्यंत ही लाभकारी कार्यक्रम रहा.

Utkarsh Shah,
National President JITO,
Ahmedabad

Dr. Chenraj Roychand,
Chairman, Jain Group of Institutions,
Bangalore

Mr. Arun Jain,
Chairman, Polaris Consulting
& Services Ltd., Chennai

iBuD कार्यक्रम इनकी नज़र में ...

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
बी.जे.एस.

इस कार्यक्रम से प्रतिभागियों को वैश्विकरण व प्रतिस्पर्धा के दौर में व्यवसाय व उद्यम के सफल संचालन के मंत्र अनेकों सफल उद्यमियों व उद्योगपतियों से प्राप्त हुए. मुझे पुर्ण विश्वास है कि इस कार्यक्रम से प्रतिभागियों को नयी दृष्टि प्राप्त होने के साथ व्यापार के नये क्षितिजों की प्राप्ती हेतु पथ की जानकारी प्राप्त हुई है. मुझे विश्वास है कि 50 प्रतिभागि में से कुछ आनेवाले समय में रॉल मॉडेल के रूप में प्रस्थापित होगें.

राकेश जैन
संयोजक
i-BuD

i-BuD का आयोजन व्यवसाय विकास के दीप प्रज्जवलन के उद्देश्य से किया गया व चयनित विशेषज्ञों ने दीप की ज्योति प्रज्जवलित की और अब ये सभी युवा प्रतिभागी आकाश की उंचाईयो को छूने के लिए तत्पर हैं.

जैन इरिगेशन जलगाँव के श्री भँवरलाल जैन, असीमित उर्जाओ से ओतप्रोत मुम्बई के युवा उद्यमी श्री भाविन तुरखिया, पोलारिस इंन्डस्ट्रीज चेन्नई के श्री अरूण जैन, IIM-Bangalore के श्री पवन सोनी इन्दौर के श्री के. के. जैन अहमदाबाद के आशीष गोयल से मार्गदर्शन पाकर निश्चित ही सभी प्रतिभागी श्रेष्ठताओं हेतु उत्प्रेरित हुए हैं.

मंजिरी सुले
संयोजक
i-BuD

i-BuD व्यवसाय विकास प्रवास कार्यक्रम (अप्रैल 2015) अंत्यत ही प्रभावी व लाभदायक बन पड़ा. 50 युवाओं को 7 दिवस के अविरत प्रवास में विस्मयकारी प्रेरणात्मक अनुभवों से साक्षात्कार का अवसर मिला. शुन्य से सर्जन किए गए औद्योगिक साम्राज्यों को देखने, सफलताओं की पथ-गाथाओं को सुनने और सफलता हेतु बड़े विचारों की शक्ति, सफल कार्यान्वयन के तरिकों, कार्य के प्रति दीवानगी, नवीन वैचारिकी का महत्व व आदर्शों एवं मूल्य आधारित जीवन आदि के मंत्र और बहुत कुछ सभी 7 दिन – 7 शहरों में 31 सत्रों, 6 औद्योगिक गृहों तथा 5 व्यवसाय प्रबंधन संस्थानों के भ्रमण से स्वप्नों को सिद्धियों में रूपांतरित करने का यह अनुठा कार्यक्रम था.

IIM Indore

Gujarat Chamber of Commerce, Ahmedabad

iBuD closing session at Chennai

भारतीय जैन संगठन :कार्यक्रम एवं गतिविधि समाचार

युवती सशक्तिकरण कार्यक्रम को सम्पूर्ण देश में ले जाने के प्रयास

द्रुतगति से बदल रही सामाजिक परिस्थितियों में युवतियों के समक्ष अनेक चुनौतियाँ आ खड़ी हुई हैं जिनका सफलता से सामना करने का प्रशिक्षण "युवती सशक्तिकरण" कार्यक्रम के माध्यम से सम्पूर्ण देश की युवतियों को देने की कार्ययोजना को मूर्तरूप देने हेतु भारतीय जैन संगठन प्रयासरत है.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख एवं निर्देशक श्री एस. बिस्वास ने 3 अप्रेल को रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3030 के गर्वनर डॉ. निखिल किबे से पुणे में मुलाकात कर रोटरी कल्ब द्वारा समाज व राष्ट्र हित में युवती सशक्तिकरण कार्यक्रम को उनके मुख्य व महत्वपुर्ण कार्यक्रम की सूची में सम्मिलित कर राष्ट्रीय स्तर क्रियान्वयन की प्रार्थना की. डॉ किबे ने रचनात्मक प्रतिभाव व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि रोटरी क्लब इस कार्यक्रम की राष्ट्रीय उपयोगिता को समझते हुए योग्य निर्णय यथाशीघ्र लेगा.

विश्वविख्यात संस्था वीरायतन की संचालिका परम पूज्य महाराज साहेब चांदनाजी से दिनांक 23 अप्रेल को पुणे में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री. प्रफुल्ल पारख एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री निरंजन जुवाँ जैन ने भेंट कर युवती सशक्तिकरण कार्यक्रम की आवश्यक्ता एवं महत्व पर विस्तृत चर्चा की व देश के विभिन्न राज्यों के वीरायतन द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं में शिक्षणरत विद्यार्थिनियों को सशक्त करने का प्रस्ताव रखा. आशा है कि वीरायतन के माध्यम से बड़े पैमाने पर युवतियों को सशक्त करने का कार्य संभव होगा .

युवती सशक्तिकरण कार्यशालाओं का अप्रेल माह में आयोजन

भारतीय जैन संगठन द्वारा चलाये जा रहे युवती सशक्तिकरण अभियान के तहत विभिन्न राज्यों में अप्रेल माह में कर्नाटक राज्य में बैंगलोर व बिलकीयर, मध्यप्रदेश में इंदौर व विदिशा, महाराष्ट्र में नागपूर, जयसिंगपूर, कोल्हापूर, नासिक व मुंबई में कार्यशालाओं का आयोजन हुआ जिसमें भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय मंत्री राजेंद्र लूकंड़ तथा सर्वश्री डॉ विमल जैन, नितिन पोहारे, गणेश ओसवाल, दीपक पाटिल, दीपक चोपड़ा श्रीमती राजश्री चौधरी एवं श्रीमती धनलक्ष्मी एच. एस. ने प्रशिक्षण प्रदान किया. सभी आयोजकों व प्रशिक्षकों को अभिनंदन.

भा.जै. सं. के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने वैवाहिक रिश्तें तय करने की नवीन पध्दति पर किये व्याखान

भा.जै.सं. के संस्थापक श्री शांतिलालजी मुथ्था द्वारा बदलते समय के अनुकूल वैवाहिक रिश्ते तय करने की प्रस्तावित नवीन पद्धति पर भा.जै.सं. के राष्ट्रीय मंत्री श्री संजय सिंघी, रायपुर ने ४ से ६ अप्रेल को नासिक, धुले, मलकापुर एवं अकोला में समाज की सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वैवाहिक रिश्तें तय करने की पारंपारिक पद्धति अब तर्क संगत न होने के साथ अनेक सामाजिक समस्याओं के उद्भव का कारण भी बन रही है. आपने समाजजन् को आदरणीय मुथ्थाजी द्वारा प्रस्तावित नवीन पद्धति के गुण व दोष पर समाजजन से विस्तृत चर्चा की. भा.जै.सं. की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सद्स्य श्री रजनीश जैन, नागपुर ने 5 व 6 अप्रेल को रायपुर, बिलासपुर व भिलाई में वैवाहिक रिश्ते तय करने की नवीन पद्धति पर समाजजन को संबोधित किया व विषय की प्रासंगिकता से उन्हें अवगत कराया.

नेपाल में विनाशक भूकंप

भा.जै.सं. प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य तथा संरचनात्मक विकास के माध्यम से भूकंपग्रस्त क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में अनेक दशकों से अपनी विशिष्ट कार्य शैली में मानवीय उत्तरदायित्व के प्रति सजग व कार्यरत रहा है. भा.जै.सं. के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री. प्रफुल्ल पारख 30 अप्रेल को काठमांडू पहुंचे व स्थिति का आंकलन कर भकंप पीड़ितों के भोजन की व्यवस्था व ईलाज (Medical Treatment) युध्द स्तर पर प्रारंभ किया.

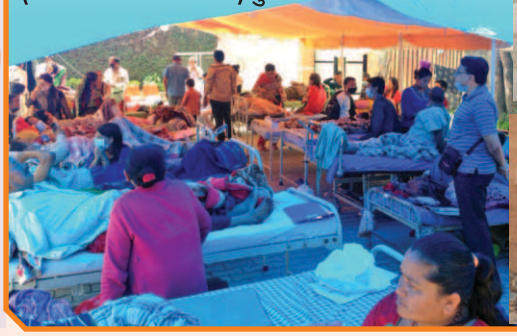

भारतीय जैन संगठन ने जैन पत्रकारों व मीड़ीया के समक्ष मिलकर कार्य करने का प्रस्ताव रखा.

झांसी : 11 अप्रेल 2015 को उत्तरांचल दिंगबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी द्वारा विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें देश के जैन समाज के मीडियाकर्मी, पत्रकार व संपादक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य व भा.जै.सं. अल्पसंख्यक लाभ जागृति अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जुवाँ जैन ने अल्पसंख्यक लाभों पर मीडीया की भूमिका के विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए खेद व्यक्त किया कि पूरे देश में जैन समाज अल्पसंख्यकता के अर्थ, महत्व एवं सुलभ लाभों से लगभग अभिनज्ञ है.

आपने मीडियाकर्मियों व पत्रकारों को उनकी रचनात्मक भूमिका हेतु अह्वाहन करते हुए प्रार्थना की कि वे अल्पसंख्यक लाभ जाग्रति अभियान को जैन समाज के प्रत्येक घर परिवार तक ले जाने का भगीरथ कार्य करें.

श्री जुवाँ ने जैन मीड़ीया के समक्ष साथ में मिलकर कार्य करने का भारतीय जैन संगठन का प्रस्ताव रखा ताकि समाजजन को केंद्र व राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के लाभ दिलवाकर समाज उत्थान व विकास की दिशा में कदम बढ़ाया जा सके .

श्री. महेश कोठारी ने समाज के समग्र उत्थान की बात की

इस सभा में भारतीय जैन संगठन के महामंत्री श्री. महेश कोठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे. आपने समाज के समग्र उत्थान एवं विकास की आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा करते हुए भरतीय जैन संगठन द्वारा इस संबंध में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की व जैन मीडिया को इस दिशा में कार्य करने का हेतु अनुरोध किया.

छत्तीसगढ़ भा.जै.सं के रायपूर संभाग पदाधिकारी सभा समपन्न हुई

रायपूर- 18 अप्रेल 2015 को भा.जै.सं. छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर संभाग के पदाधिकारियों की सभी का आयोजन हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य समिति व रायपुर संभाग के सभी पदाधिकारियों सहित राज्यअध्यक्ष श्री निर्मलचन्द्र बरडिया, भा.जै.सं. के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश कोठारी, मंत्री श्री संजय सिंघी व संभाग अध्यक्षा डॉ सरिता चौधरी उपस्थित रहे. सभा में अगामी तीन माह के कार्यक्रमों व गतिविधियों की रूपरेखा तय की गई जिसमें शहर व गाँव स्तरीय भा.जै.सं. की शाखाओं के विस्तारीकरण व उनमें पदाधिकारियों की नियुक्ति, युवती एवं युगल सशक्तिकरण कार्यक्रमों के आयोजन आदि पर विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजनाओं का निर्माण किया गया.

अल्पसंख्यक सूचनाएं, जानकारी एवं समाचार

वर्ष 2015-16 हेतु छात्रवृत्ति आवेदन तिथियां घोषित हुई

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों हेतु केन्द्र सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन करने हेतु निम्न तिथियां घोषित की गई है.

(1) प्री - मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

कक्षा 1 से 8– ऑफ लाईन आवेदन: 1 मई से 31 जुलाई
कक्षा 9 से 10–ऑन लाईन आवेदन: 1 मई से 31 जुलाई

नवीकरण (Renewal) आवेदन

कक्षा 1 से 8 – ऑफ लाईन आवेदन: 1 मई से 31 जुलाई
कक्षा 9 से 10– ऑन लाईन आवेदन: 1 मई से 31 जुलाई
इस योजना में सम्पूर्ण देश के कुल 65447 जैन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है जो गत वर्ष मे स्वीकृत की गयी कुल छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त है.

(2) पोस्ट - मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

कक्षा 11 से से अनुस्नातक स्तर के सभी कोर्स
ऑन लाईन आवेदन:1 जून से 15 सितम्बर

नवनीकरण (Renewal) आवेदन

ऑन लाईन आवेदन :1 जून से 10 अक्तुबर
इस योजना में सम्पूर्णदेश के कूल 10908 जैन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है जो गत वर्ष में स्वीकृत की गयी कुल छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त है.

(3) मेरीट-कम-मीन्स - मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना

टेक्नीकल व प्रोफेशनल आदि कोर्स –
ऑन लाईन आवेदन:1 जून से 30 सितम्बर

नवनीकरण (Renewal)आवेदन

ऑन लाईन आवेदन:1 जून से 15 नवम्बर
इस योजना में सम्पूर्ण देश के कूल 1308 जैन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान किया गया है.

अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में छात्रवृत्ति आवेदन हेतु अब मात्र एक वेबसाईट

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों हेतु छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन केन्द्र सरकार की National Scholarship Web Portal 'www.scholarships.gov.in'पर ही किये जा सकेंगे जिसका लिंक अल्पसंख्यक मंत्रालय की वेबसाईट 'www.minorityaffairs.gov.in' से भी उपलब्ध रहेगा. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

भा.जै.सं. तामिलनाडू का नवीन प्रयास

जैन दादाबाड़ी, आईनावरम्, चेन्नई में जैन महासंघ द्वारा समस्त जैन समाज हेतु आयोजित महावीर जयंती जन्म कल्याण महोत्सव में अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी समाजजन् तक पहुंचाने के उद्देश्य से महोत्सव स्थल पर स्टॉल लगाया गया जिसमें 4 हजार से अधिक समाजजन् ने अल्पसंख्यक लाभों पर जानकारी प्राप्त की बी.जे.एस. द्वारा अल्पसंख्यक लाभों पर प्रकाशित पुस्तकों का वितरण भी किया गया. बॅनर्स प्रदर्शन द्वारा इस स्टॉल का भ्रमण करने वाले समाजजन् को अल्पसंख्यक लाभों के अतिरिक्त बी.जे.एस. के विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं से बी.जे.एस. तामिलनाडू राज्य सचिव श्री. महावीर परमार तथा सर्वश्री राजेंद्र दुग्गड़, महावीर बोहरा एवं दिनेश कवरात द्वारा अवगत करवाया गया.

कुल आवंटन की तुलना में कम हुए आवेदन

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों हेतु प्री–मेट्रीक छात्रवृत्ति योजना में शैक्षणिक वर्ष 2014-15 में सभी राज्यों के कुल 65448 जैन विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का प्रावधान अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा किया गया था. कुल आवंटन की तुलना में आवेदन की संख्या कम रही व मात्र 41602 छात्रवृत्ति दी गई है. यह इस बात का प्रमाण है कि सम्पूर्ण देश के जैन समाज में अल्पसंख्यक लाभों की जानकारी का अभाव है. भारतीय जैन संगठन अल्पसंख्यक लाभों पर देशव्यापी जागृति अभियान चला रहा है जिसमें कार्यशालाओं के माध्यम से समाजजन् को अल्पसंख्यकता के विभिन्न लाभों से अवगत कराया जाता है. कार्यशालाओं के आयोजन् संबंधी अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

नवीनीकरण छात्रवृत्ति आवेदन

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक समुदायों हेतु केन्द्र सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में शैक्षणिक वर्ष 2014-15 में जिन अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है वे सभी इस वर्ष भी छात्रवृत्ति प्राप्त करने के अधिकारी हैं. उन्हें सलाह है कि वे सुनिश्चित करलें कि वे उसी योजना में छात्रवृत्ति प्राप्त करने की पात्रता रखते हैं? अन्य पात्रताओं में गत वार्षिक परिक्षा में 50 प्रतिशत या अधिक अंकों से उत्तीर्ण होना आवश्यक है. विद्यार्थी के नाम का बैंक खाता, आधार कार्ड़ व पारिवारिक वार्षिक आय का सरकारी सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाणपत्र आवश्यक होगा. छात्रवृत्ति प्राप्ती के इच्छुक विद्यार्थियों को नवीनीकरण (Renewal) आवेदन करना आवश्यक है. अधिक जानकारी हेतु हमसे सम्पर्क करें.

कर्नाटक राज्य में जैन जनगणना

जैन समाज की मांग पर कर्नाटक राज्य सरकार सरकार ने राज्य में जैन जनगणना 11 से 31 अप्रेल 2015 के मध्य करवाने का निर्णय लिया. जनगणना कार्य पूर्ण होने पर कर्नाटक राज्य में जैन समाज की कुल जनसंख्या के वास्तविक आंकड़े सामने आयेंगे. वर्ष 2001 में सम्पन्न हुई अखिल भारतीय जनगणना के आधार पर 6 अल्पसंख्यक समुदाय के मध्य अल्पसंख्यक लाभों का आनुपातिक आवंटन अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा किया जाता है. किन्तु जैन समाज की जनसंख्या के वास्तविक आंकड़े उपलब्ध न होने के कारण, जैन समाज सभी राज्यों में योग्य अनुपात में अल्पसंख्यक लाभ लेने से वंचित है.

कर्नाटक राज्य भारतीय जैन संगठन ने राज्य में समस्त जैन बंधुओं से इस जनगणना में भाग लेने तथा जाति व धर्म के कॉलम में जैन लिखवाने हेतु अपील जारी की है. जनगणना के परिणामों के आधार पर केंद्र सरकार से कर्नाटक राज्य में विभिन्न योजनाओं में लाभों के योग्य आवंटन हेतु प्रार्थना की जा सकेगी. भारतीय जैन संगठन अन्य सभी राज्यों में जैन जनगणना करवाने हेतु आवश्यक पहल करेगा.

अल्पसंख्यक लाभों पर देशव्यापी जनजागृति अभियान के तहत कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय जैन संगठन द्वारा चलाये जा रहे अभियान में अप्रेल माह में महाराष्ट्र में अकुरडी, लासलगाँव, श्रीगोंडा, नासिक, आबाद (जालना) हिंगोली,ओस्मानाबाद, शिरूर अनंत, गेवराई (बीड़), मध्यप्रदेश में बेबतुल, मंदसोर, उज्जैन, बुराहनपुर व गुजरात में अहमदाबाद में कार्यशालाओं का आयोजन हुआ जिसमें भारतीय जैन संगठन के प्रशिक्षक सर्वश्री रजनीश जैन, किशोर देशरड़ा, बालचंद छाजेड, महावीर श्रीश्रीमल, धनराज जैन, समीप इंदाने एवं श्रीमती शाशा जैन तथा डॉ सोनल मेहता ने अल्पसंख्यक लाभों की जानकारियों से समाजजन को अवगत कराया.

BJS Offers
Personality Development Program

Duration of the event	No. of participants
7 Days (residential)	50
5 Days (Non-residential)	100
5 Days (residential)	50

Who should attend - all Graduates/Post Graduates/all between 18 to 25 years of age who want to make successful career based on clarity or anyone who want to sharpen their skill & need clarity about their profession.

To Learn & Gain-

- Personal Development
- Intelligence Development
- Professional Development

Impact of the Program - The direct fallout of this training program is that it completely wipes out negativity among participants and encourages them to build image for self, institution & also the place they come from.

Methodology - Our trainer's team will share some break through ideas in the form of case studies, research, success stories & real life situation. These ideas are quick to learn & easy to implement.

Morning Walk, Exercise, Sports & Adventure activities will be part of their daily routine. Apart from this a few activities based on learning sessions followed by industrial visit will be conducted. Participants will carry sufficient hand written notes to utilize later as a follow-up support system.

BJS State Executive Committee are organizing the events shortly.

Book-Post

BJS
Bharatiya Jain Sangathan
Ground Floor, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel.: 020 4128 0011, 4128 0012, 4128 0013
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org
Facebook : www.facebook.com/BJSIndia